प्रिय विद्यार्थी

शिक्षा में स्नातक (बी.एड.) पाठ्यक्रम की **प्रथम छमाही** (प्रथम सेमेस्टर) में आपको 5 प्रश्न पत्रों के सत्रीय कार्य जमा करना है ।प्रत्येक सत्रीय कार्य पाँच प्रश्न दिये गए है इनमें से आपको कोई तीन प्रश्नों के उत्तर साफ एवं हस्तलिखित लिखना है ।सत्रीय कार्य अपने शब्दों में लिखना है। प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखना है। सत्रीय कार्य लिख कर अपने अध्ययन केंद्र में **30 अप्रैल, 2022** तक जमा करना है। सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास अवश्य रखें। सत्रीय कार्य लिखने के दिशा निर्देश निम्नानुसार है-

निर्देश : सत्रीय कार्य लिखने से पूर्वनिम्नलिखित बातों को ध्यान में रखे–

1. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएं सिरे पर अपना अनुक्रमांक,नाम ,पूरा पता एवं दिनांक लिखें।
2. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के बाई ओर पाठ्यक्रम का नाम,प्रश्न पत्र का शीर्षक ,एवं कोड संख्या स्पष्ट लिखें।
3. सत्रीय कार्य A4 साइज के पेपर पर एक ओर स्वयं लिखना है।
4. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखे।
5. सत्रीय कार्य के प्रथम पृष्ठ का प्रारूप निम्नानुसार है।

पाठ्यक्रम संयोजक

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का नाम - बी.एड. प्रथम सेमेस्टर

अध्ययन केंद्र का नाम ----------

पंजीयन संख्या ----------

नामांकन संख्या----------

नाम ----------

पता----------

मोबाइल नंबर----------

ई-मेल ----------

दिनांक ----------

पाठ्यक्रम का नाम ----------

प्रश्न पत्र का नाम /शीर्षक ----------

प्रश्न पत्र कोड ----------

विद्यार्थी के हस्ताक्षर

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय,वर्धा

बी. एड. (सत्र:2021-23) प्रथम सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक:30

प्रश्न पत्र कोड: शिक्षा 011

प्रश्न पत्र: शिक्षा एवं शिक्षा के प्रयोजन

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01: शिक्षा से जुड़ी आधारभूत अवधारणाओं- शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुदेशन की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 02: रूसो के शैक्षिक विचारों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या 03: जॉन डीवी के शिक्षा दर्शन की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या 04: महात्मा गांधी के शैक्षिक विचारों की वर्तमान में उपादेयता की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 05: मूल्य शिक्षा की प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय,वर्धा

बी. एड. (सत्र:2021-23) प्रथम सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक:30

प्रश्न पत्र कोड: शिक्षा 012

प्रश्न पत्र: शिक्षार्थी एवं उसका संदर्भ

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01: बच्चों के विकास से क्या तात्पर्य है? विकास को प्रभावित करने वाले कारकों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 02:बाल्यावस्था के विशिष्ट लक्षणों को स्पष्ट करते हुए इस अवस्था में शिक्षा के स्वरूप की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 03:वायगोतस्की के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धान्त का वर्णन करते हुए इसके शैक्षिक निहितार्थ का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या 04:स्वएवं स्व को प्रभावित करने वाले निर्धारक तत्वों का वर्णन कीजिए। एक शिक्षक के रूप में विद्यार्थियों के स्व के विकास में आप किस प्रकार योगदान देते हैं?

प्रश्न संख्या 05:कोहलबर्गके नैतिक विकास के सिद्धान्त की विस्तृत व्याख्या कीजिये। एक शिक्षक के लिए इस सिद्धान्त का ज्ञान क्यों आवश्यक है? स्पष्ट कीजिए।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय ,वर्धा

बी. एड. (सत्र:2021-23) प्रथम सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक:30

प्रश्न पत्र कोड: शिक्षा 013

प्रश्न पत्र: समकालीन भारत एवं शिक्षा

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01: वैदिक कालीन शिक्षा की प्रमुख प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या 02: राष्ट्रीय शिक्षण अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के कार्यों की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 03: विद्यालय की समय सारणी के निर्माण हेतु सिद्धांत और प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या 04: शिक्षा के अधिकार कानून की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए ।

प्रश्न संख्या 05: किसी एक प्रगतिशील विद्यालय की विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

बी.एड. (सत्र 2021- 2023) प्रथम सत्र

सत्रीय कार्य

कुल अंक: 30

प्रश्न पत्र कोड : **शिक्षा : 014**

प्रश्न पत्र : **शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी**

- **निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्नसंख्या 01: संचार से क्या अभिप्राय है? शिक्षा में सूचना और संचार तकनीकी के महत्व की व्याख्या कीजिए।

प्रश्नसंख्या 02: रेखीय अभिक्रमित अनुदेशन से आप क्या समझते हैं? रेखीय अभिक्रमित अनुदेशन की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इस की आवश्यकता पर टिप्पणी कीजिए।

प्रश्नसंख्या 03: संगणक प्रशिक्षण प्रक्रिया में कितने चरण होते हैं? विस्तारपूर्वक व्याख्या कीजिए। संगणक सहायक अनुदेशन प्रणाली की उपयोगिता एवं सीमाओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्नसंख्या 04: संगणक के इनपुट-आउटपुट उपकरण का कार्यों के आधार पर तुलनात्मक विवेचन कीजिए।

प्रश्नसंख्या 05: ई-रिसोर्सेज़ को परिभाषित करते हुए इसके विभिन्न साधनों का सोदाहरण उल्लेख कीजिए।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय,वर्धा

बी. एड. (सत्र: 2021-23) प्रथम सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

कुल अंक:30

प्रश्न पत्र कोड: शिक्षा 015

प्रश्न पत्र: विद्यालय संगठन एवं प्रशासन

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

प्रश्न संख्या 01: शैक्षिक प्रशासन की संकल्पना को स्पष्ट करते हुए, इसमें प्राचार्य की भूमिका का वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या 02: विद्यालय बजट के विभिन्न आयामों की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या 03: एक शिक्षक के रूप में विद्यालय में अनुशासनहीनता के कारणों एवं इसके निराकरण के उपायों को अपने अनुभवित उदाहरणों द्वारा स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न संख्या 04: शिक्षा से जुड़े प्रशासनिक अभिकरण एन.सी. ई.आर.टी,सी.बी.एस.ई एवं एस. सी. ई.आर.टी. के कार्यों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

प्रश्न संख्या 05: शैक्षिक नेतृत्व के अर्थ को स्पष्ट करते हुए, विद्यालय प्रशासन में इसकी आवश्यकता,महत्व एवं इसमें आने वाली बाधाओं को स्पष्ट कीजिए।